RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से खबरु

smarthalchal.com

# स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 | अंक- 28 | भीलवाड़ा, सोमवार, 12 जनवरी 2026 | पृष्ठ-04 | मूल्य-04 रूपये

## राजस्थान में कड़ाके की ठंड, कुछ इलाकों में तापमान माइनस तक पहुंचा, कड़ाके की ठंड से कब राहत मिलेगी

**जयपुर/** राजस्थान में इस सर्दी के मौसम में ठंड का प्रकोप और गहरा गया है। राज्य के कई हिस्सों में रात के तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है, जिससे सुबह के समय जमीन, वाहनों और खेतों पर बर्फ जमती नजर आई। मौसम विभाग के ताज़ा आंकड़ों के अनुसार, कुछ स्थानों पर तापमान माइनस डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, जिससे लोग ठिठुरन और बढ़ा रहा है।

विशेष रूप से सीकर जिले के फतेहपुर में न्यूनतम तापमान लगभग माइनस 3.4C तक रिकॉर्ड किया गया, जो इस मौसम का सबसे कम स्तर है। वहीं नागौर, झुंझुनूं और जयपुर सहित अन्य इलाकों में भी सुबह के समय घास और बर्तनों पर बर्फ की परत दिखाई दी, जो ठंड की गंभीरता को दर्शाता है।

ठंड की वजह से लोग घरों के बाहर निकलने से भी कतराने लगे हैं और सड़कों पर सुबह सुस्ती सी फैल गई है। कई स्थानों पर घना कोहरा रहने की वजह से सड़क व हवाई परिवहन पर असर पड़ा है, और उड़ानों में देरी या रद्द होने की संभावना बढ़ गई है।

मौसम केंद्र जयपुर के अधिकारियों ने बताया है कि शीतलहर और ठंड का असर अभी कुछ और दिनों तक जारी रहने की संभावना है। विभाग ने राज्य के कई जिलों में ओरेंज और येलो अलर्ट जारी करते हुए जनता को सावधानी बरतने की सलाह दी है। आने वाले दिनों में पारा नीचे गिरने की चेतावनी भी दी गई है।

ठंड के कारण प्रशासन ने कुछ क्षेत्रों में जनजीवन प्रभावित होने की बात भी कही है। खासकर किसानों और वृद्ध नागरिकों को विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है, क्योंकि खेतों और खुले इलाकों में ठंड का असर और अधिक महसूस किया जा रहा है।

मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि जैसे-जैसे ठंडी हवाएँ और बढ़ेंगी, वैसे-वैसे तापमान में और गिरावट आती रहेगी। लोगों को आवश्यक गैस, कंबल और हीटर जैसी चीजों के उपयोग को प्राथमिकता देने की भी सलाह दी जा रही है।

## सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में पीएम मोदी शामिल, शौर्य यात्रा में लिया भाग, मंदिर में की विशेष पूजा

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को गुजरात के गिर सोमनाथ में आयोजित सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के तहत निकाली गई प्रतीकात्मक 'शौर्य यात्रा' में सहभागिता की। इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी भी मौजूद रहे। यात्रा के उपरांत प्रधानमंत्री ने सोमनाथ मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की।

शौर्य यात्रा को साहस, त्याग और उस अडिग आस्था का प्रतीक बताया गया, जिसने सदियों तक अनेक चुनौतियों के बावजूद सोमनाथ के गौरव और धार्मिक परंपरा को अक्षुण्ण बनाए रखा। यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साह और भक्ति भाव के साथ भाग लिया।

आयोजन को और अधिक गरिमामय बना दिया।

सोमनाथ मंदिर के मुख्य द्वार पर पहुंचने पर प्रधानमंत्री का पारंपरिक स्वागत किया गया, जिसमें लगभग 10 हजार महिलाओं ने लोकनृत्य प्रस्तुत किया। मंदिर में दर्शन और पूजा के बाद प्रधानमंत्री ने कलाकारों से संवाद भी किया। उन्होंने कहा कि पावन सोमनाथ धाम में दर्शन-पूजन का अनुभव मन को शांति और सकारात्मक ऊर्जा से भर देता है तथा भगवान सोमनाथ की कृपा सदैव देशवासियों पर बनी रहे, यही उनकी कामना है।

पूजा-अर्चना के पश्चात प्रधानमंत्री मोदी ने सद्भावना मैदान में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने संदेश में कहा कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के दौरान आयोजित रोड शो में शिवभक्तों का उत्साह अत्यंत प्रेरणादायक रहा। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि नारीशक्ति की उपस्थिति ने पूरे हुए कहा कि इस वर्ष का उत्सव विशेष रूप से अलौकिक है। एक ओर भगवान महादेव की दिव्य उपस्थिति, दूसरी ओर समुद्र की लहरें, सूर्य की किरणें और मंत्रोच्चार—इन सबके बीच भक्तों की आस्था ने पूरे वातावरण को दिव्य और भव्य स्वरूप प्रदान किया।

## ब्यावर में तेल के बाद अब नकली घी बनाने का भंडाफोड़, एसेंस डालकर तैयार कर रहे थे ब्रांडेड घी

**जयपुर/**ब्यावर के साकेत नगर थाना पुलिस ने एसेंस डालकर घी बनाने की फैक्टरी पकड़ी है। पुलिस ने मौके से 13 लीटर ब्रांडेड नाम से तैयार घी के पैकेट, सरस ब्रांड की थैलियां, मिलावटी घी तैयार करने के काम आने वाली स्टील की टंकी व कांटा मौके से बरामद किए। साथ ही एसेंस व कलर भी मिला, जो घी को असली जैसी महक देने एवं घी जैसे रंग देने के काम में लिया जा रहा था। ब्यावर शहर में लम्बे समय से यह गोरखधंधा चल रहा था। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

ब्यावर शहर के जालिया रोड पर घी के पैकेट लदान करने की पुलिस को शिकायत मिली। इस पर पुलिस ने मौके पर निगरानी शुरू की। इसमें पता लगा कि यहां पर न तो घी की एजेंसी है एवं न ही मवेशी है। इसके बावजूद देशी घी की सप्लाई की जा रही है। इस पर सीआई जितेंद्र फौजदार के नेतृत्व में साकेतनगर थाना पुलिस टीम ने जालियां रोड स्थित गोदाम पर दबिश दी। इसमें सामने आया कि वनस्पति घी से देशी घी तैयार किया जा रहा है। पुलिस को मौके पर सरस घी की पैकिंग के रेपर, तौलने की मशीन एवं 13 लीटर ब्रांडेड नाम से तैयार घी के पैकेट मिले। पुलिस ने इसकी सूचना खाद्य सुरक्षा अधिकारी व सरस डेयरी प्रबंधन को दी। मौके पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी नारायणसिंह एवं सरस डेयरी की टीम पहुंची। उन्होंने इनकी जांच की। खाद्य सुरक्षा टीम ने मौके से तैयार घी के सैंपल उठाए। जबकि सरस की टीम ने रेपर व घी सरस के नहीं होने की जानकारी दी। पुलिस ने घी के रेपर, 13 लीटर घी, पैकिंग मशीन, कांटा, घी तैयार करने की स्टील की टंकी को जब्त कर थाने ले आए। मामले में पुलिस ने जितेंद्र जांगिड़ को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मामला दर्ज किया है।

### नेटवर्क खोलेंगे राजः

पुलिस नकली घी व तेल बनाने वाले नेटवर्क को खंगालने में जुट गई है। पुलिस पूछताछ में यह पता लगाएगी कि नकली घी व तेल तैयार करने वाले एसेंस कहां से ला रहे हैं। कलर कौन उपलब्ध करवा रहे हैं। रेपर कौन छाप रहा है। इन सबके बारे में जानकारी जुटाई जा रही है, ताकि पूरे गिरोह का पर्दाफाश किया जा सके।

### पहले भी हो चुकी है कार्रवाईः

साकेतनगर थाना पुलिस ने दो दिन पहले ही एसेंस से तेल तैयार करने का जखीरा पकड़ा था। इसे लेकर आरोपी कृष्णा साहू को पुलिस ने न्यायालय पेश किया। न्यायालय ने आरोपी को पुलिस रिमांड पर सौंप दिया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

## मांडलगढ़ : दिल दहला देने वाली घटना, मां ने दो मासूम बच्चों की निर्मम हत्या कर खुद खाया जहर

### पूरे मांडलगढ़ क्षेत्र में फैली सनसनी, पुलिस और एफएसएल टीम मौके पर

▪ स्मार्ट हलचल

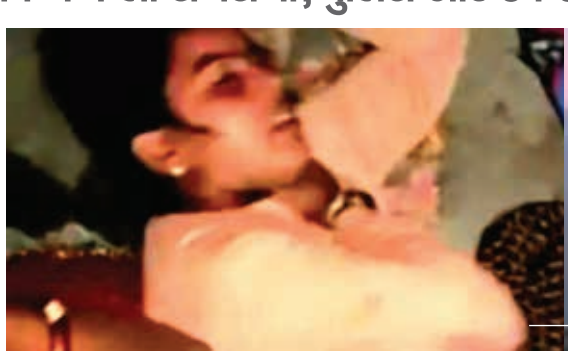

**मांडलगढ़** | जिले के मांडलगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत मानपुरा गांव से आज एक दिल दहला देने वाली और ममता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। यहाँ एक कलयुगी मां ने अपने ही दो मासूम बच्चों की निर्मम हत्या कर दी और उसके बाद खुद भी आत्महत्या करने की नीयत से विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। इस वीभत्स हत्याकांड से पूरा क्षेत्र सहम गया है।

### क्या है पूरा मामला?

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मानपुरा निवासी टेंट कारोबारी राजू साहू की पत्नी संजू देवी ने अपनी 12 वर्षीय बेटी नेहा और 6 वर्षीय बेटे भैरू की हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि महिला ने घर में रखे टेंट के पाइप लगाने वाले लोहे के सरिए और धारदार दंतली (कृषि औजार) से दोनों बच्चों के गले और शरीर पर ताबड़तोड़ वार किए, जिससे उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

**संभवतः मानसिक तनाव** या बीमारी से परेशान होकर उसने यह खौफनाक कदम उठाया। दोनों बच्चों को मौत की नींद सुलाने के बाद उसने खुद भी जहर खा लिया।

### हालात गंभीर, अस्पतालमें भर्ती

घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर कोहराम मच गया। गंभीर हालत में महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहाँ उसका इलाज जारी है।

### पुलिस जांच शुरू

दोहरे हत्याकांड की सूचना मिलते ही मांडलगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल को सील किया। मौके पर भारी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई है। पुलिस ने एफएसएल (FSL) टीम को मौके पर साक्ष्य जुटाने के लिए बुलाया है। पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है कि आखिर एक मां ने इतना बड़ा कदम क्यों उठाया।

## ईरान में 14वें दिन भी जारी विरोध प्रदर्शन, अमेरिका को दी धमकी

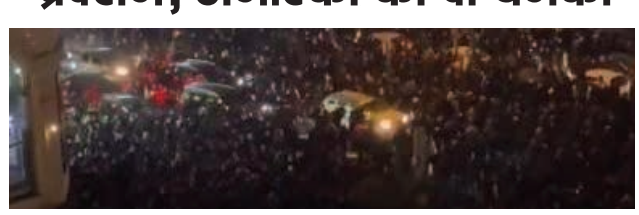

▪ स्मार्ट हलचल

ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शन 14वें दिन में प्रवेश कर चुके हैं और देशभर से असंतोष की आवाजें उठ रही हैं। इस बीच 60 घंटे से अधिक समय से इंटरनेट बंद है। हालात के बीच डोनाल्ड ट्रंप की चेतावनी पर तेहरान का सियासी माहौल गरमा गया है।

ईरानी संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकर कालीबाफ ने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका ने ईरान पर हमला किया तो अमेरिकी सेना और इजरायल निशाने पर होंगे। संसद सत्र के दौरान अमेरिका विरोधी नारे भी लगे।

कालीबाफ ने सुरक्षा बलों को सख्ती बरतने के निर्देश देते हुए कहा कि गिरफ्तार प्रदर्शनकारियों को कड़ी सजा दी जाएगी। वहीं, रिपोर्ट के अनुसार फार्स प्रांत में प्रदर्शन हिंसक हो गए, जहां न्यायपालिका परिसर में आगजनी की घटना सामने आई है।

### प्रतापनगर पुलिस की बड़ी कार्रवाई: संगठित साइबर ठगी गिरोह का भंडाफोड़

# हिस्ट्रीशीटर सहित दो गिरफ्तार, करोड़ों की ठगी का नेटवर्क उजागर

▪ स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा** / पुलिस थाना प्रतापनगर ने संगठित साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए जालौर जिले के कुख्यात हिस्ट्रीशीटर मुख्य आरोपी सहित एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह नामी व्यक्तियों की फर्जी सोशल मीडिया आईडी बनाकर उनके परिचितों से लाखों रुपये की ठगी कर रहा था। प्रकरण में पूर्व में एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस के अनुसार जालौर व बालोतरा क्षेत्र के आसपास रहने वाले युवकों ने गिरोह बनाकर साइबर ठगी की वारदातों को अंजाम दिया। गिरोह के सदस्य नामी व्यक्ति की फोटो व्हाट्सएप डीपी पर लगाकर तथा फेसबुक/इंस्टाग्राम पर फर्जी आईडी बनाते थे। इसके बाद संबंधित व्यक्ति के जान-पहचान वालों को फोन कर स्वयं को वही व्यक्ति बताते हुए पैसों की जरूरत का हवाला देकर ठगी करते थे। गिरोह द्वारा राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और दिल्ली में कई साइबर ठगी की वारदातें करना सामने आया है। पुलिस अधीक्षक भीलवाड़ा धर्मेन्द्र



सिंह आईपीएस द्वारा साइबर व संगठित अपराधों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारस जैन आरपीएस के निर्देशन तथा वृत्ताधिकारी शहर सज्जन सिंह आरपीएस के सुपरविजन में थानाधिकारी प्रतापनगर राजपाल सिंह के नेतृत्व में टीम गठित की गई।

**यह था मामला:-**

दिनांक 28 जुलाई 2025 को परिवादी मिठ्ठा लाल सिंघवी निवासी भीलवाड़ा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 26 व 28 जुलाई को उनके मोबाइल पर अज्ञात नंबरों से व्हाट्सएप कॉल आई। कॉल करने वाले ने अपनी डीपी पर उद्योगपति पृथ्वीराज कोठारी की फोटो लगाकर स्वयं को वही बताते हुए विश्वास में लेकर अहमदाबाद में 40 लाख रुपये हवाला के माध्यम से ठग लिए। इस पर थाना प्रतापनगर में प्रकरण संख्या 383/2025 धारा 318(4), 316(2) बीएनएस 2023 में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। तकनीकी साक्ष्यों और सूचना संकलन के आधार पर पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर मोडसिंह उर्फ विक्रम सिंह तथा कैलाश सिंह को डिटेन कर बाद अनुसंधान गिरफ्तार किया। मामले में आगे की जांच जारी है।

**गिरफ्तार आरोपी:**

मोडसिंह उर्फ विक्रम सिंह पुत्र पीरसिंह राजपुरोहित (42) निवासी मोदरा, थाना रामसीन, जिला जालौर — हिस्ट्रीशीटर कैलाश पुत्र स्व. पुखराज राजपुरोहित (28) निवासी उण, थाना आहोर, जिला जालौर मुख्य आरोपी मोडसिंह के खिलाफ राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और आंध्रप्रदेश में चोरी, धोखाधड़ी, आईटी एक्ट व एनडीपीएस एक्ट सहित कई संगीन मामलों में पहले से आपराधिक रिकॉर्ड दर्ज है।

**पुलिस टीम:**

थानाधिकारी राजपाल सिंह, उपनिरीक्षक उदयलाल, हैड कांस्टेबल सुनील कुमार, कांस्टेबल रामनिवास (विशेष योगदान), नरेंद्र सिंह, प्रकाश तथा साइबर सेल से पिंटू कांस्टेबल शामिल रहे। प्रतापनगर पुलिस की इस कार्रवाई से साइबर ठगी गिरोहों में हड़कंप मच गया

# बीगोद: त्रिवेणी संगम पर रामानंदाचार्य जयंती की धूम, भव्य शोभायात्रा में उमड़ा वैष्णव समाज



▪ स्मार्ट हलचल

**बीगोद** । अनंत विभूषित जगतगुरु श्री रामानंदाचार्य जी महाराज के 726वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में रविवार को त्रिवेणी संगम पर आस्था और उत्साह का सैलाब उमड़ पड़ा। वैष्णव बैरागी समाज (मांडलगढ़ व बिजौलियां) के तत्वावधान में एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई और प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

**भक्तिमय माहौल में निकली शोभायात्रा:**

समाज के निर्मल वैष्णव ने बताया कि शोभायात्रा सुबह 11:15 बजे त्रिवेणी संगम से शुरू हुई। इसमें बैंड-बाजों की धुन, मदसौरी ढोल की थाप और सजे-धजे घोड़ों ने माहौल को राजसी बना दिया। यात्रा संगम से मुख्य बस स्टैंड होते हुए पुनः त्रिवेणी संगम पहुंची। इस दौरान जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। महिलाओं और बच्चों ने भक्तिमय भजनों पर नृत्य किया, वहीं 'चारभुजानाथ', 'हनुमान जी' और 'त्रिवेणी महादेव' के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा।

**हैरतअंगेज करतब:**

शोभायात्रा के दौरान वेद विद्यालय के बच्चों और समाज के युवाओं ने अखाड़े का शानदार प्रदर्शन किया। लाठी चलाने और अन्य करतबों को देखकर वहां मौजूद लोग दातों तले अंगुलियां दबाने को मजबूर हो गए। कार्यक्रम में ऊपरमाल, खेराड़ और मेवाड़ अंचल से बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे।

**विधायक की बड़ी घोषणा:** शोभायात्रा के समापन पर आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि मांडलगढ़ विधायक गोपाल खंडेलवाल रहे। उन्होंने समाज को संबोधित करते हुए वैष्णव बैरागी समाज की धर्मशाला निर्माण के लिए 11 लाख रुपये देने की घोषणा की, जिसका समाज ने करतल ध्वनि से स्वागत किया।

**इनका हुआ सम्मान:**

समारोह में विशिष्ट अतिथि पालिका अध्यक्ष संजय डांगी, राजू बंजारा, प्रकाश सांगावत, अशोक जीनगर, गोविंद आचार्य, गोपाल शर्मा व महेंद्र गुर्जर का साफा और दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया। इस दौरान समाज की 51 प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मंच का संचालन राजेश कुमार बैरागी ने किया।

# मनरेगा बचाओ संग्राम: केंद्र की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ कांग्रेस का गांधी चौराहे पर सामूहिक उपवास, उमड़ा जनसैलाब

▪ स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा** । केंद्र सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (MGNREGA) के नाम में परिवर्तन और इसकी नीतियों में किए गए बदलावों के विरोध में रविवार को भीलवाड़ा शहर कांग्रेस ने हुंकार भरी। शहर कांग्रेस अध्यक्ष शिवराम खटीक की अगुवाई में गांधी चौराहे पर आयोजित इस 'उपवास कार्यक्रम' में जनसैलाब उमड़ पड़ा, जिसमें शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के हजारों लोग शामिल हुए। आंदोलन का नजारा उस वक्त देखने लायक था जब जिले भर से ग्रामीण, महिलाएं और पुरुष जीपों, ट्रैक्टरों और ट्रॉलियों में सवार होकर रैली के रूप में निकले।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं और आम जनता की यह विशाल रैली शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए गांधी चौराहा (भोपाल क्लब चौराहा) पहुंची, जहां



सभी ने एकजुट होकर उपवास रखा और सरकार के फैसलों के खिलाफ विरोध जताया। उपवास स्थल पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए शहर अध्यक्ष शिवराम खटीक ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा: केंद्र सरकार द्वारा योजना का नाम बदलना फिर भी स्वीकार्य है, लेकिन इसकी मूल नीतियों में बदलाव करना ग्रामीण क्षेत्र के गरीब लोगों के हितों पर सीधा कुठाराघात है। मनरेगा ग्रामीणों की आजीविका का आधार है और इसके साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी।'

कांग्रेस पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह उपवास तो केवल शुरुआत है। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक सरकार अपनी नीतियों में बदलाव की मांग को वापस नहीं लेती और ग्रामीणों के हितों की रक्षा सुनिश्चित नहीं करती, तब तक यह आंदोलन और भी उग्र रूप में जारी रहेगा।

कार्यक्रम में कांग्रेस राष्ट्रीय सचिव धीरज गुर्जर सहित कांग्रेस के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। यह जानकारी कांग्रेस कमेटी द्वारा शाम करीब 5 बजे दी गई।

# तालाब में डूबने से 20 वर्षीय युवक की मौत,दो घंटे चले सर्च अभियान

▪ स्मार्ट हलचल

**मंगरोप**। हमीरगढ़ नगर पालिका क्षेत्र के मंगरोप रोड नई आबादी से लापता हुए 20 वर्षीय युवक का शव तालाब से बरामद होने से क्षेत्र में शोक व सनसनी का माहौल फैल गया।मृतक की पहचान कार्तिक (20) पुत्र सत्यनारायण खटीक के रूप में हुई ,जो सेकंड ईयर का छात्र था तथा दिव्यांग भी था।जानकारी के अनुसार कार्तिक 10 जनवरी को शाम करीब 6 से 8 बजे के बीच घर से निकला था,लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। परिजनों ने आसपास,रिश्तेदारों एवं परिचितों के यहां काफी तलाश की,लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लग पाया।युवक के लापता होने से परिजन बेहद चिंतित हो गए।परिजनों ने बताया कि घर से निकलते समय कार्तिक ने काले रंग की जैकेट और काले रंग का स्वेटर पहन रखा था तथा पैरों में चप्पल थी।उसकी ऊंचाई लगभग 5 फीट 11 इंच बताई गई है।यह भी बताया गया कि घर से निकलते समय उसके पास मोबाइल फोन नहीं था।रविवार सुबह परिजनों ने हमीरगढ़ थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई।रिपोर्ट के आधार पर थाना प्रभारी सुनील बेड़ा के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन कर कस्बे के संवेदनशील स्थानों पर तलाश शुरू की गई। तलाश के दौरान हमीरगढ़ तालाब की पाल के पास युवक का कोट तथा उससे थोड़ी दूरी पर उसकी चप्पल बरामद हुई।इससे आशंका जताई गई कि युवक संभवतः तालाब में



नहाने गया होगा।सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया तथा भीलवाड़ा से एसडीआरएफ की टीम को बुलवाया गया।साथ ही स्थानीय सक्रिय गोताखोर रज्जाक नीलगर,सिराज मोहम्मद,फकरुद्दीन पठान और कृष्णकांत छिपा ने भी सर्च अभियान में भाग लिया। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद गोताखोरों ने तालाब से कार्तिक का शव बाहर निकाल लिया।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हमीरगढ़ उपजिला चिकित्सालय भिजवाया। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।थाना प्रभारी सुनील बेड़ा ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला तालाब में डूबने से मौत का प्रतीत हो रहा है,फिर भी हर पहलू को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है।

# हाट बाजार को लेकर फिर हुआ विवाद, दोनों पक्ष उतरे विरोध में ,स्थाई दुकानदारों ने दुकानें बंद कर जताया विरोध

▪ स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा** । शहर में सिटी कंट्रोल रूम के निकट रविवार को लगने वाले हाट बाजार को लेकर एक बार फिर विवाद खड़ा हो गया । रविवार सुबह बाजार लगने के बाद आसपास के स्थायी दुकानदारों ने विरोध जताते हुए अपनी दुकानें बंद कर दीं, ओर दोनों की पक्ष एक दूसरे के खिलाफ प्रदर्शन करने लगे। जिससे क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई। बताया गया है कि सिटी कंट्रोल रूम से गोल प्याऊ के बीच वर्षों से रविवार को हाट बाजार लगाया जाता है। स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि हाट बाजार के कारण उनकी दुकानों पर ग्राहकी प्रभावित होती है और व्यापार में नुकसान उठाना पड़ता है। इसी कारण वे लंबे समय से इस बाजार का विरोध करते आ रहे हैं। वही पुराने कपड़े वाले



व्यापारियों का कहना है कि वे बरसो से यही हाट बाजार लगाते आ रहे ओर हर रविवार से रविवार ही पुराने कपड़े का हाट बाजार लगते हैं और इसी से उनका परिवार का पालन पोषण होता है।उनका कहना है कि हमने कितनी ही बार प्रशासन स्थाई जगह की मांग की है मगर प्रशाशन हमारी सुन ही नहीं रहा।आपके बता दे कि इससे पहले भी नगर निगम द्वारा हाट बाजार के व्यापारियों और स्थानीय दुकानदारों के बीच समझाइश का प्रयास किया गया था, लेकिन कोई ठोस समाधान नहीं निकल पाया। रविवार को सुबह फिर से हाट बाजार लगने पर दुकानदारों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने सामूहिक रूप से अपना कारोबार बंद कर दिया। मामले की सूचना पर पुलिस और नगर निगम के अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने दोनों पक्षों से बातचीत कर स्थिति को शांत करने और समाधान निकालने के प्रयास शुरू किए। दोपहर बाद हाट बाजार के व्यापारियों और स्थानीय दुकानदारों के बीच आमने सामने की स्थिति गंभीर बन गई और प्रशासन ने हालात पर नजर बनाए रखी ।

Visit Us
https://smarthalchal.com/

### मोतीपुरा की चारागाह भूमि पर सेंड स्टोन की कटाई

# बिजौलिया में अवैध खनन पर बड़ी कार्रवाई, 3 ट्रैक्टर-कंप्रेशर व 2 जेसीबी जब्त , 11.38 लाख का जुर्माना

▪ स्मार्ट हलचल

**बिजोलिया** । मोतीपुरा क्षेत्र की चारागाह (सरकारी) भूमि पर सेंड स्टोन के अवैध खनन के खिलाफ खनिज विभाग ने शनिवार शाम बड़ी कार्रवाई करते हुए खनन में प्रयुक्त 3 ट्रैक्टर-कंप्रेशर और 2 जेसीबी मशीनें जब्त कर थाने खड़ी करवाईं। कार्रवाई की भनक लगते ही मौके पर मौजूद अवैध खननकर्ता फरार हो गए, जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया।खनिज विभाग के फोरमैन गिरिराज मीणा ने बताया कि गश्त के दौरान सूचना मिली थी कि बिजौलिया के मोतीपुरा क्षेत्र में सरकारी

भूमि पर अवैध रूप से सेंड स्टोन की कटाई की जा रही है। निरीक्षण में मौके पर कई टन कटा हुआ सेंड स्टोन मिला। सूचना की पुष्टि होते ही त्वरित कार्रवाई कर मशीनरी जब्त की गई और वाहनों को पुलिस के सुपुर्द किया गया।प्रकरण में अवैध खननकर्ता हरि शंकर पिता जीतमल रेगर), निवासी सदा राम जी का खेड़ा तथा अब्दुल सत्तार, निवासी कोटा के खिलाफ 11 लाख 38 हजार का जुर्माना लगाया गया है। साथ ही मामले को लेकर पुलिस में रिपोर्ट भी दर्ज करवाई गई है । खनिज विभाग ने स्पष्ट किया है कि सरकारी व चारागाह भूमि पर अवैध खनन किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आगे भी सख्त निगरानी व कार्रवाई जारी रहेगी।

# अधिवक्ता स्नेह परिवार ग्रुप द्वारा बैठक आयोजित

▪ स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा** । जिला अभिभाषक संस्था भीलवाड़ा के अधिवक्ता अनिल कुमार पारीक के नेतृत्व मे सिंदरी के बालाजी मे नव वर्ष 2026 की वेला पर अधिवक्ताओ के स्नेह मिलन का आयोजन किया| जिसमे अधिवक्ताओ ने सामूहिक रूप से राजस्थानी भोजन तैयार कर भोजन का आनंद लिया| इसी दौरान प्रतियोगिताये भी आयोजित की गई जिसमे अधिवक्ता बालू लाल उपाध्याय व सरिता स्वर्णकार विजयी रहे उन्हें अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद भीलवाड़ा के सचिव पीरू सिंह गौड़ ने परितोषिक वितरित किये गये साथ ही कानूनी बिन्दुओ पर विचार विमर्श किया गया| अधिवक्ताओ ने न्यायालय मे पैरवी के दौरान रहे अपने अनुभवो को साझा किया| इस दौरान शीबा जॉन, पल्लवी काबरा, दीपक चतुर्वेदी, पुखराज, राहुल पोरवाल, आरती कुमावत, अनिल सोनी, विकास टेलर, कन्हैया लाल तेली सहित कई अधिवक्ता साथीयो ने सहयोग किया ।

# प्रजापति समाज की बैठक आयोजित

▪ स्मार्ट हलचल

**बिजौलियाँ** / ऊपरमाल प्रजापति नवयुवक मंडल संस्थान के कार्यकर्ताओं द्वारा माँ विंध्यवासिनी माता मंदिर बिजौलिया में बैठक का आयोजन रखा गया जिसमें ऊपरमाल प्रजापति समाज के सभी युवा ओर भामाशाह शामिल हुए और आने वाली 20 जनवरी 2026 को प्रजापति समाज की आराध्य कुलदेवी श्री श्रीयादें माँ जन्मोत्सव के पर्व को हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाने एवं शोभायात्रा निकालने का निर्णय लिया गया

# उपभोक्ता अधिकार समिति के ज्ञापन का दिखा असर , मीडिया हाउस बधाई के पात्र, सक्रिय हुआ Uit, मानसरोवर झील की सफाई के लिए जारी की खुली निविदा

▪ स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा** । उपभोक्ता अधिकार समिति ने गत 6 जनवरी को जिला कलेक्टर और यूआईटी अध्यक्ष जसमीत सिंह संधू को ज्ञापन देते हुए मानसरोवर झील की बदहाली, गंदगी, जलकुंभी और अतिक्रमण के विषय पर जानकारी देते हुए चिंता जताई थी और इसे आसपास के निवासियों और पर्यावरण के लिए एक गंभीर खतरा बताते हुए ज्ञापन सोपा था। युवा मोर्चा के अंकित सोमानी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस विषय पर यूआईटी ने कार्यवाही करते हुए मानसरोवर झील की साफ सफाई और रखरखाव हेतु एक खुला टेंडर जारी किया जो कि भीलवाड़ा

शहर के निवासियों के लिए खुशखबरी है कि उन्हें पुनः मानसरोवर झील अपने पुराने स्वच्छ और सुंदर रूप में मिलेगी जो कि पर्यावरण संरक्षण के रूप में uit द्वारा भीलवाडा शहर के लिए एक आदर्श संदेश के रूप में स्थापित होगा। उपभोक्ता अधिकार समिति के सदस्यों ने जिला कलेक्टर और Uit प्रशासन का धन्यवाद ज्ञापित किया है की उन्होंने इस विषय पर संज्ञान लिया और मानसरोवर झील के संरक्षण के लिए कदम उठाया। साथ ही सभी मीडिया हाउस का भी धन्यवाद ज्ञापित किया कि इस ज्ञापन को अपने अखबार में प्रमुखता से छापा और जनता के दुख दर्द से प्रशासन का अवगत कराया। इस अवसर पर मधु जाजू, सुनील राठी, अशोक सोडाणी, प्रहलाद राय व्यास, अर्चना दुबे, हार्दिक सोनी, त्रिदेव मूंदड़ा ओर अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

# विद्युत नगर क्षेत्र का हिंदू सम्मेलन 25 को, समितियां बनाई

▪ स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा** । शहर में वर्धमान कॉलोनी, विद्युत नगर क्षेत्र का हिन्दू सम्मेलन 25 जनवरी को सुभाषनगर थाने के पास रसधारा मैदान, खंडेलवाल भवन के पास आयोजित किया जाएगा। इसके लिए सर्वोदय शिक्षण संस्थान स्कूल में एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न समाज के 70 बंधुओं ने भाग लिया। मीडिया प्रभारी आशीष पाराशर ने बताया कि बैठक में सम्मेलन की रूपरेखा और आयोजन के बारे में चर्चा की गई। अध्यक्ष जमनालाल डीडवानिया ने सभी का आभार व्यक्त किया और संरक्षक मंडल, मार्गदर्शक मंडल और उपाध्यक्ष के नामों की घोषणा की। सम्मेलन के लिए शोभा यात्रा, कलश यात्रा और अन्य कार्यों के लिए समितियाँ बनाई गई हैं। इसमें संरक्षक मंडल में सागरमल पानगडिया, डॉ. वीडी शर्मा, रूपलाल प्रजापत, डॉ. मुकुट बिहारी धाबाई, भोपाल मूंदडा, रामू पंडित, गोविन्द राजपूत, राजू पूर्विया, ओम प्रकाश गंदोडिया, महावीर आंचलिया और मार्गदर्शक मंडल में ओमप्रकाश बूलिया, मदन खटोड, रतनलाल गर्ग, उपाध्यक्ष ऊंकार माली, सुनील भारद्वाज, दुर्गालाल जोशी, दिनेश अरोडा, जगदीश भदादा, सावन जांगिड, रोशनलाल जैन को बनाया गया है।

# सड़क सुरक्षा माह का उद्देश्य यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना है: डीटीओ रामकिशन चौधरी

▪ स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा** । राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत आमजन में सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से रविवार प्रातः भीलवाड़ा साइकिल क्लब के तत्वावधान में एक भव्य साइकिल रैली निकाली गई। यह जानकारी देते हुए साईकल क्लब प्रभारी अरुण संतोष मुछाल ने बताया कि रैली प्रातः 09.00 बजे स्टेशन चौराहे से समाजसेवी तिलोकचंद छाबड़ा और जिला परिवहन अधिकारी रामकिशन चौधरी द्वारा हरी झंडी दिए जाने के बाद रवाना होकर शहर के मुख्य मार्गों से होकर पुनः स्टेशन चौराहा स्थित पुलिस कंट्रोल रूम पर संपन्न हुई। इस अवसर पर जिला परिवहन अधिकारी रामकृष्ण चौधरी ने कहा कि सड़क सुरक्षा माह

का उद्देश्य आमजन को चालान का भय दिखाना नहीं बल्कि यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना है। इसी उद्देश्य से पूरे माह आमजन को यातायात नियमों का प्रति जागरूक किया जाएगा। रैली में प्रशासनिक अधिकारियों, डीटीओ स्टाफ, सहित बड़ी संख्या में नागरिकों ने सहभागिता की। प्रतिभागियों द्वारा सड़क सुरक्षा, हेलमेट उपयोग, सीट बेल्ट, यातायात नियमों के पालन एवं सुरक्षित ड्राइविंग से संबंधित स्लोगनों के माध्यम से आमजन को जागरूक किया गया। रैली में मदन खटोड़, राकेश सक्सेना, सुरेश बम्ब, मुकेश सामरिया, मनोहर डुमोलिया, सुरेंद्र छीपा, यश झुरानी, मुकेश कुमावत (साइकिल मैन), जिनेंद्र चौधरी, अशोक राठी, गिरिराज प्रजापति, नरेश बाहेती, आशुतोष आचार्य, योगेश गर्ग, दिनेश भट्ट, रामचंद्र मूंदडा, अजय सोनी, प्रह्लाद अजमेरा, हरीश माहेश्वरी, कैलाश शर्मा, लक्ष्मीलाल गांधी, सहित अन्य साइकिल प्रेमी एवं जागरूक नागरिक उपस्थित रहे। अंत में क्लब प्रभारी अरुण संतोष मुछाल ने सभी सहभागियों, प्रशासन, सहयोगी संस्थाओं एवं नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा केवल एक अभियान नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

# श्री राम द्वारा लोकार्पण के साथ तीन दिवसीय नानी बाई मायरा का हुआ शुभारंभ

▪ स्मार्ट हलचल

**रायपुर** / रामस्नेही संप्रदाय के श्री राम द्वारा लोकार्पण समारोह के प्रथम दिन रामस्नेही संप्रदाय के पीठाधीश्वर आचार्य स्वामी रामदयाल महाराज के 32 वर्ष बाद पुनः बोराणा ग्राम में आगमन पर विशाल शोभा यात्रा निकली गई। गोविंद भवन के सभागार में नानी बाई का मायरा संत गोविंदराम महाराज ने सैकड़ो महिला पुरुषों की उपस्थिति श्रवण करते हुए कहा कि भक्त नरसी बाल्यकाल में ही माता-पिता के देहांत के कारण दादी के पास पले बढे। भगवान में परम भक्ति के कारण आज से 600 वर्ष पूर्व 12 महीने में ही 14 करोड़

का धन जरूरतमंदों में लुटा दिया। कृष्ण के प्रति आघात भक्ति भाव के कारण गोलोकधाम वृंदावन में कृष्ण के दर्शन हुए। सोमवार प्रातः 9:00 बजे से रक्तदान शिविर का आयोजन होगा। अंतरराष्ट्रीय रामस्नेही संप्रदाय के पीठाधीश्वर आचार्य दयाल महाराज का आशीर्वचन प्राप्त होगा। रामनारायण लड्ढा ने बताया कि 13 जनवरी को नानी बाई मायरा का समापन होगा।

# आमजन के जीवन को नई दिशा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है सहकार: सुभाष चेचानी

## वस्त्रनगरी भीलवाड़ा में सहकार भारती ने मनाया स्थापना दिवस, 250 बच्चों को खेलकूद के साथ करवाया भोजन, 2 लाख का चैक सेवा भारती को भेंट

▪ स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा** । वस्त्रनगरी भीलवाड़ा में सहकार भारती का 48वां स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ सहकार भारती के संस्थापक स्व. लक्ष्मन राव एवं भारत माता के चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्वलन व माल्यार्पण के पश्चात संगठन मंत्र सहकारिता गीत का सामूहिक गायन हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि कैलाश सोमानी, दुर्गा लाल सोनी, श्रीमती विजया सुराणा थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुभाष चेचानी ने की। इस दौरान सहकारिता से आर्थिक स्वावलंबन पर परिचर्चा हुई। सहकार भारती अध्यक्ष सुभाष चेचानी ने बताया कि कार्यक्रम में कैलाश सोमानी भाई साहब ने आरोग्य एवं सहकार पर उद्बोधन दिया। संस्कार सेवा प्रकल्प के तहत 250 बच्चों को भोजन करवाया गया एवं खेलकूद करवाया गया एवं 2 लाख का चैक सेवा भारती को दिया गया। सहकार ऐसा विषय है जो आमजन के जीवन को नई दिशा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। चेचानी ने बताया कि सहकारी क्षेत्र के मित्र तत्व चिंतक और मार्गदर्शन की भूमिका में संपर्क सेवा व समर्पण रूपी तीनों सूत्रों को ध्यान में रखकर कार्य प्रारंभ किया। बिना संस्कार नहीं सहकार, बिना सहकार नहीं उद्दार का मूल मंत्र जन जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से सहकार भारती की स्थापना 11 जनवरी 1979 को मुंबई में पंजीयन हुआ। सहकार भारती राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ा एक अखिल भारतीय संगठन है जिसका मुख्य उद्देश्य देश में सहकारिता आंदोलन को मजबूत शुद्ध और जनकल्याणकारी बनाना है ताकि यह समाज के कमजोर वर्गों जैसे छोटे किसानों और बेरोजगार युवाओं को आर्थिक रूप से सशक्त कर सके और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद कर सके यह किसी चुनाव लड़ने या राजनीतिक लाभ के लिए नहीं बल्कि सहकारिता की भावना और सिद्धांतों को बढ़ावा देने के लिए काम करता है जिसमें प्रशिक्षण जागरूकता और पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया पर जोर दिया जाता है। कार्यक्रम में प्रदेश महामंत्री सुनील सोमानी, नगर अध्यक्ष नगर अध्यक्ष संजय पांडे, संगठन प्रमुख मुकुट बसेर, पुनीत, एस एन लाठी, जिला उपाध्यक्ष भेरुलाल बाल्दी, कमलेश सेठी, लीला चेचानी, जमुना सोनी, गोपाल जीनगर उपस्थित रहे। मंच संचालन रामनरेश विजयवर्गीय द्वारा किया गया।

# मंदिरों की नगरी झरणेश्ववर महादेव में ब्राह्मण समाज की सर्कल बैठक

▪ स्मार्ट हलचल

**मांडल** / उपखंड की आलमास पंचायत के झरणेश्ववर महादेव गायत्री मंदिर में रविवार को सिखवाल ब्राह्मण समाज (29 गांव) के करजालिया सर्कल की बैठक का आयोजन-मोड़ का निम्बहेड़ा की मेजबानी में हुआ। झरणेश्ववर महादेव गायत्री मंदिर (29/56) अध्यक्ष हीरा लाल डोलिया ने बताया कि आज रविवार को पूर्व निर्धारित करजालिया सर्कल की बैठक मेजबान( डोलिया परिवार) मोड़ का निम्बहेड़ा के आथित्य सत्कार के साथ बैठक का शुभारंभ हुआ जिसमें सामाजिक परिचर्चा व समाज सुधार एवं सामाजिक कुरीतियों पर चर्चा की गई व अगामी करजालिया सर्कल की बैठक हिसनिया में आहूत की गई। बैठक समापन के बाद सभी समाजबंधु( आगंतुकों) ने भोजन -प्रसादी की एवं डोलिया परिवार ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

# संघर्ष चेतना रैली में क्षेत्र से सैकड़ों कर्मचारी भाग लेंगे

▪ स्मार्ट हलचल

**लाडपुरा** । अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ के प्रदेशव्यापी आह्वान पर 12 जनवरी को जयपुर में आयोजित होने वाली संघर्ष चेतना रैली में क्षेत्र से सैकड़ों कर्मचारी भाग लेंगे। रैली को लेकर क्षेत्र में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और कर्मचारियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। ग्राम विकास अधिकारी संघ मांडलगढ़ के अध्यक्ष रतिराम मीणा ने बताया कि कर्मचारियों तक पहुंचा दी गई है। अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए कर्मचारी महासंघ के सभी घटक संगठनों द्वारा डोर-टू-डोर संपर्क कर कर्मचारियों को रैली में शामिल होने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। मीणा ने बताया कि 12 जनवरी को जयपुर में होने वाली इस रैली में क्षेत्र से बड़ी संख्या में कर्मचारी एकजुट होकर अपनी मांगों को मजबूती से उठाएंगे।

# एस पी के आवास के बाहर से महिला के अपहरण करने के दो आरोपितों की कराई पैदल मौका तस्दीक

▪ स्मार्ट हलचल

## आरोपित हाथ जोड़ कर माफी मांगते हुए आए नज़र

**भीलवाड़ा।** प्रेम विवाह कर भीलवाड़ा एस पी से सुरक्षा की गुहार लगाने आई महिला के अपहरण के मामले में गिरफ्तार दो आरोपित को पुलिस ने न्यायालय कर आरोपितों की पैदल ही मौका तस्दीक करवाई। यह कार्रवाई कोतवाली थानाधिकारी शिवराज गुर्जर के नेतृत्व में की गई। जानकारी के अनुसार कुछ दिन पहले कोतवाली थाना क्षेत्र में भीलवाड़ा जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय में प्रेम विवाह कर सुरक्षा की गुहार लगाने आई एक महिला का स्कॉर्पियो से आए कुछ लोगों ने भीलवाड़ा जिला पुलिस अधीक्षक के आवास के बाहर से अपहरण कर लिया था। इस दौरान भीलवाड़ा पुलिस अधीक्षक कार्यालय में कार्यरत ए एस आई प्रताप सिंह ने उक्त स्कॉर्पियो को रोकने का प्रयास किया तो आरोपितों द्वारा उन्हें कुचलने का प्रयास किया गया । पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए कुछ लोगों को गिरफ्तार किया इनमें से दो आरोपित लक्ष्मण जाट व सुरेश स्वामी को रविवार को न्यायालय में पेश कर दोनो आरोपितो की पैदल ही मौका तस्दीक करवाई मौका तस्दीक के दौरान एक आरोपित लंगड़ाते हुए चलता दिखाई दिया ।

पुलिस की त्वरित कार्यवाही के बाद दोनों आरोपित हाथ जोड़ते हुए माफी मांगते हुए नज़र आए।

पुलिस ने न्यायालय के आदेश से दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया । पुलिस इस गंभीर घटना में शामिल अन्य आरोपितों का भी पता लगाने का प्रयास कर रही है।

# श्रीमद् भागवत कथा को लेकर चित्तौड़गढ़ में भक्तिमय माहौल

## सांसद जोशी व विधायक आक्या ने तैयारियों का लिया जायजा, किया पोस्टर विमोचन

▪ स्मार्ट हलचल

**शंभूपुरा।** सनातन गौरव समिति चित्तौड़गढ़ के तत्वावधान में 17 जनवरी से 23 जनवरी तक रतन बाग में आयोजित होने जा रही सात दिवसीय श्रीमदभागवत कथा को लेकर शहर में भक्ति, आस्था और उत्साह का अनुपम वातावरण बन गया है। इस अवसर पर सांसद सीपी जोशी एवं विधायक चन्द्रभान सिंह आक्या ने श्रीमद्भागवत कथा के पोस्टर का विधिवत विमोचन किया।

रविवार को रतन बाग परिसर स्थित कथा स्थल पर चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी एवं विधायक चन्द्रभान सिंह आक्या ने कथा स्थल का अवलोकन कर तैयारियो एवं व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इस दौरान मंच, पांडाल, डोम, पार्किंग, श्रद्धालुओं की सुविधाओं से जुड़ी व्यवस्थाओं की जानकारी ली एवं आयोजन को सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं श्रद्धालु-अनुकूल बनाने पर विशेष जोर दिया।

पोस्टर विमोचन के अवसर पर सांसद सीपी जोशी ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज को संस्कार, मर्यादा और एकता के सूत्र में पिरोने का सशक्त माध्यम है।

विधायक चन्द्रभान सिंह आक्या ने कहा कि महामण्डलेश्वर ईश्वरानंद ब्रह्मचारी उत्तम स्वामी महाराज के मुखारबिन्द से होने वाली श्रीमद् भागवत कथा श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक ऊर्जा, मार्गदर्शन और आत्मिक शांति का अनुपम स्रोत सिद्ध होगी। उन्होंने आयोजन को शहर के लिए गौरव का विषय बताया।

कार्यक्रम के दौरान पोस्टर विमोचन के साथ ही शहरवासियों में श्रीमद् भागवत कथा को लेकर विशेष उत्साह और श्रद्धा का माहौल देखने को मिला।

# हाईटेंशन की चपेट में आया चितिवास, पतंग उड़ाते 4 लोग करंट से झुलसे

## दो मासूम बच्चे झुलसे, बचाने पहुंचीं मां-दादी भी नहीं बचीं केकड़ी जिला अस्पताल में जिंदगी से जंग लड़ रहे चारों घायल

▪ स्मार्ट हलचल

सावर( अजमेर )@चितिवास गांव में रविवार शाम एक दर्दनाक हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया। पतंग उड़ाने की खुशी उस समय मातम में बदल गई जब हाईटेंशन विद्युत लाइन की चपेट में आने से एक ही परिवार के चार सदस्य करंट से बुरी तरह झुलस गए। हादसे में दो नाबालिग बच्चे और उन्हें बचाने पहुंचीं मां व दादी गंभीर रूप से घायल हो गईं।

जानकारी के अनुसार, गांव में मकान की छत पर पतंग उड़ा रहे रूपेश पुत्र रामलाल रैगर (15) और हेमंत कुमार पुत्र कैलाश रैगर (12) की पतंग का लौह धातु से लेपित मांझा पास से गुजर रही 11 केवी हाईटेंशन विद्युत लाइन से जा टकराया। मांझे में अचानक करंट दौड़ने से दोनों बच्चे झुलस गए और मौके पर ही तड़पने लगे। बच्चों की हालत देख घबराई उनकी मां चांदू देवी पत्नी रामलाल रैगर (35) और दादी पानी देवी पत्नी गुदड़ रैगर (45) उन्हें बचाने दौड़ीं, लेकिन वे भी करंट की चपेट में आ गईं। कुछ ही पलों में पूरा परिवार हादसे का शिकार हो गया।

घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को निजी वाहनों से सावर के राजकीय अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए केकड़ी जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। चिकित्सकों के अनुसार चारों की हालत नाजुक बनी हुई है।

हादसे के बाद चितिवास गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने आबादी क्षेत्र के ऊपर से गुजर रही उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों को लेकर नाराजगी जताते हुए उन्हें हटाने या पर्याप्त सुरक्षा उपाय करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि पतंगबाजी के मौसम में ऐसी लाइनें जानलेवा साबित हो रही हैं। इस संबंध में सावर विद्युत विभाग के कनिष्ठ अभियंता सुभाष मीणा ने बताया कि हादसा लौह धातु से लेपित मांझे के कारण हुआ है।

उन्होंने कहा कि विद्युत लाइन की ऊंचाई नियमानुसार है, लेकिन आमजन को पतंग उड़ाते समय सावधानी बरतनी चाहिए और धातु युक्त मांझे का उपयोग नहीं करना चाहिए।

# नवागत थानाधिकारी धर्मराज ने संभाला कार्यभार, क्षेत्रवासियों ने किया भव्य स्वागत

▪ स्मार्ट हलचल

**शंभूपुरा।** चित्तौड़गढ़ जिले के शंभूपुरा थाना क्षेत्र में कानून व्यवस्था की बागडोर अब जिले में सिंघम के नाम से पहचाने जाने वाले नवागत थानाधिकारी धर्मराज मीणा के हाथों में आ गई है। पदभार ग्रहण करने के बाद ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों एव पत्रकारों ने एक उत्सव के रूप में थानाधिकारी का स्वागत किया। क्षेत्र की सुरक्षा और शांति व्यवस्था को सुदृढ़ करने के संकल्प के साथ धर्मराज ने अपनी कुर्सी संभाली, तो अब बधाई और शुभकामनाओं का तांता लग गया है।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। सह. सम्पादक मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com

## मशरूम की खेती

**मशरूम की खेती हजारों वर्षों से विश्वभर में भोजन और औषध दोनों ही रूपों में रही है। ये पोषण का भरपूर स्रोत हैं और स्वास्थ्य खाद्यों का एक बड़ा हिस्सा बनाते हैं। मशरूमों में वसा की मात्रा बिल्कुल कम होती हैं, विशेषकर प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट की तुलना में, और इस वसायुक्त भाग में मुख्यतया लिनोलिक अम्ल जैसे असंतप्तिकृत वसायुक्त अम्ल होते हैं, ये स्वस्थ ह्दय और ह्दय संबंधी प्रक्रिया के लिए आदर्श भोजन हो सकता है।**

# मशरूम उत्पादन तकनीकी



पहले, मशरूम का सेवन विश्व के विशिष्ट प्रदेशों और क्षेत्रों तक ही सीमित था पर वैश्वीकरण के कारण विभिन्न संस्कृतियों के बीच संप्रेषण और बढ़ते हुए उपभोक्तावाद ने सभी क्षेत्रों में मशरूमों की पहुंच को सुनिश्चित किया है। मशरूम तेजी से विभिन्न पाक पुस्तक और रोजमर्रा के उपयोग में अपना स्थान बना रहे हैं। एक आम आदमी को रसोई में भी उसने अपनी जगह बना ली है। उपभोग की चालू प्रवृत्ति मशरूम निर्यात के क्षेत्र में बढ़ते अवसरों को दर्शाती है।

## भारत में मशरुम की प्रजातियां

भारत में उगने वाले मशरूम की दो सर्वाधिक आम प्रजातियां वाईट बटन मशरूम और ऑयस्टर मशरूम है। हमारे देश में होने वाले वाईट बटन मशरूम का ज्यादातर उत्पादन मौसमी है। इसकी खेती परम्परागत तरीके से की जाती है। सामान्यता, अपॉश्चयरीकृत कूडा खाद का प्रयोग किया जाता है, इसलिए उपज बहुत कम होती है। तथापि पिछले कुछ वर्षों में बेहतर कृषि-विज्ञान पदधातियों की शुरूआत के परिणामस्वरूप मशरूमों की उपज में वृद्धि हुई है।

## आम वाईट बटन मशरूम

आम वाईट बटन मशरूम की खेती के लिए तकनीकी कौशल की आवश्यकता है। अन्य कारकों के अलावा, इस प्रणाली के लिए नमी चाहिए, दो अलग तापमान चाहिए अर्थात पैदा करने के लिए अथवा प्रोहण वृद्धि के लिए (स्पॉन रन) 220-280 डिग्री से, प्रजनन अवस्था के लिए (फल निर्माण) − 150-180 डिग्री से; नमी− 85-95 प्रतिशत और पर्याप्त संवातन सब्स्ट्रेट के दौरान मिलना चाहिए जो विसंक्रमित हैं और अत्यंत रोगाणुरहित परिस्थिति के तहत उगाए न जाने पर आसानी से संदूषित हो सकते हैं। अत−100 डिग्री से. पर वाष्पन (पास्तुरीकरण) अधिक स्वीकार्य है।

## ऑएस्टर मशरूम

प्लयूरोटस, ऑएस्टर मशरूम का वैज्ञानिक नाम है। भारत के कई भागों में, यह ढींगरी के नाम से जाना जाता है। इस मशरूम की कई प्रजातिया है उदाहणार्थ − प्लयूरोटस ऑस्टरीयटस, पी सजोर-काजू, पी. फ्लोरिडा, पी. सैपीडस, पी. फ्लैबेलैटस, पी एरीनजी तथा कई अन्य भोज्य प्रजातियां। मशरूम उगाना एक ऐसा व्यवसाय है, जिसके लिए अध्यवसाय धैर्य और बुद्धिसंगत देख-रेख जरूरी है और ऐसा कौशल चाहिए जिसे केवल बुद्धिसंगत अनुभव द्वारा ही विकसित किया जा सकता है।

प्लयूरोटस मशरूमों की प्रोहण वृद्धि (पैदा करने का दौर) और प्रजनन चरण के लिए 200-300 डिग्री का तापमान होना चाहिए। मध्य समुद्र स्तर से 1100-1500 मीटर की ऊचांई पर उच्च तुंगता पर इसकी खेती करने का उपयुक्त समय मार्च से अक्तूबर है, मध्य समुद्र स्तर से 600-1100 मीटर की ऊचांई पर मध्य तुंगता पर फरवरी से मई और सितंबर से नवंबर है और समुद्र स्तर से 600 मीटर नीचे की निम्न तुंगता पर अक्तूबर से मार्च है।

## आवश्यक सामान

धान के तिनके - फफूंदी रहित ताजे सुनहरे पीले धान के तिनके, जो वर्षा से बचाकर किसी सूखे स्थान पर रखे गए हो।

400 गेज के प्रमाप की मोटाई वाली प्लास्टिक शीट - एक ब्लाक बनाने के लिए 1 वर्ग मी. की प्लास्टिक शीट चाहिए।

लकड़ी के सांचे - 45.30.15 से. मी. के माप के लकड़ी के सांचे, जिनमें से किसी का भी सिरा या तला न हो, पर 44.29 से. मी. के आयाम का एक अलग लकड़ी का कवर हो।

तिनकों को काटने के लिए गंडासा या भूसा कटर।

उबालने के लिए ड्रम (कम से कम दो)

जूट की रस्सी, नारियल की रस्सी या प्लास्टिक की रस्सियां

## टाट के बोरे

स्पान अथवा मशरूम जीवाणु जिन्हें सहायक रोगविज्ञानी, मशरूम विकास केन्द्र, से प्रत्येक ब्लॉक के लिए प्राप्त किया जा सकता है।

## एक स्प्रेयर कैसे करें

कूड़ा खाद बनाने के लिए अन्न के तिनकों (गेंहू, मक्का, धान, और चावल), मक्कई की डंडिया, गन्ने की कोई जैसे किसी भी कृषि उपोत्पाद अथवा किसी भी अन्य सेल्यूलोस अपशिष्ट का उपयोग किया जा सकता है। गेंहू के तिनकों की फसल ताजी होनी चाहिए और ये चमकते सुनहरे रंग के हो तथा इसे वर्षा से बचा कर रखा गया है। ये तिनके लगभग 5-8 से. मी. लंबे टुकडों में होने चाहिए अन्यथा लंबे तिनकों से तैयार किया गया ढेर कम सघन होगा जिससे अनुचित किण्वन हो सकता है। इसके विपरीत, बहुत छोटे तिनके ढ़ेर को बहुत अधिक सघन बना देंगे जिससे ढ़ेर के बीच तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाएगा जो अनएरोबिक किण्वन में परिणामित होगा।

## कूड़ा खाद तैयार करना

गेंहू के तिनके अथवा उपर्युक्त सामान में से सभी में सूल्यूलोस, हेमीसेल्यूलोस और लिग्निन होता है, जिनका उपयोग कार्बन के रूप में मशरूम कवक वर्धन के लिए किया जाता है। ये सभी कूडा खाद बनाने के दौरान माइक्रोफ्लोरा के निर्माण के लिए उचित वायुमिश्रण सुनिश्चित करने के लिए जरूरी सबस्ट्रेट को भौतिक ढांचा भी प्रदान करता है। चावल और मक्कई के तिनके अत्यधिक कोमल होते है, ये कूडा खाद बनाने के समय जल्दी से अवक्रमित हो जाते हैं और गेंहू के तिनकों की अपेक्षा अधिक पानी सोखते हैं।

अत−, इन सबस्ट्रूट्स का प्रयोग करते समय प्रयोग किए जाने वाले पानी की प्रमात्रा, उलटने का समय और दिए गए संपूरकों की दर और प्रकार के बीच समायोजन का ध्यान रखना चाहिए। चूंकि कूड़ा खाद तैयार करने में प्रयुक्त उपोत्पादों में किण्वन प्रक्रिया के लिए जरूरी नाइट्रोजन और अन्य संघटक, पर्याप्त मात्रा में नहीं होते, इस प्रक्रिया को शुरू करने के लिए, यह मिश्रण नाइट्रोजन और कार्बोहाइड्रेट्स से संपूरित किया जाता है।

## स्पानिंग

स्पानिंग अधिकतम तथा सामयिक उत्पाद के लिए अंडों का मिश्रण है। अण्डज के लिए अधिकतम खुराक कम्पोस्ट के ताजे भार के 0.5 तथा 0.75 प्रतिशत के बीच होती है। निम्नतर दरों के फलस्वरूप माइसीलियम का कम विस्तार होगा तथा रोगों एवं प्रतिद्वान्द्वियों के अवसरों में वृद्धि होगी उच्चतर दरों से अण्डज की कीमत में वद्धि होगी तथा अण्डज की उच्च दर के फलस्परूप कभी-कभी कम्पोस्ट की असाधारण ऊष्मा हो जाती है।

ए बाइपोरस के लिए अधिकतम तापमान 230 से (+) (-) 20 से./उपज कक्ष में सापेक्ष आर्द्रता अण्डज के समय 85-90 प्रतिशत के बीच होनी चाहिए।

## कटाई

थैले को खोलने के 3 से 4 दिन बाद मशरूम प्रिमआर्डिया रूप धारण करना शुरू कर देते हैं। परिपक्व मशरूम अन्य 2 से 3 दिनों में कटाई के लिए तैयार हो जाते हैं। एक औसत जैविक कारगरहा (काटे गए मशरूम का ताजा भार जिसे एयर ड्राई सबट्रेट द्वारा विभक्त किया गया हो ङ्ग100) 80 से 150 प्रतिशत के बीच हो सकती है और कभी-कभी उससे ज्यादा। मशरूम को काटने के लिए उन्हें जल से पकड़ा जाता है तथा हल्के से मरोड़ा जाता है तथा खींच लिया जाता है। चाकू का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। मशरूम रेफ्रीजेरेटर में 3 से 6 दिनों तक जाता बना रहता है।

## मशरूम गृह/कक्ष

क्यूब तैयार करने का कक्ष

एक आदर्श कक्ष आर.सी.सी. फर्श का होना चाहिए, रोशनदानयुक्त एवं सूखा होना चाहिए। लकड़ी के ढांचे को रखने, क्यूब एवं अन्य आर.सी.सी. चबूतरा के लिए कक्ष के अंदर 2 सेमी ऊंचा चबूतरा बनाया जाना चाहिए, ऐसा भूसे के पाश्चुरीकृत थैलों को बाहर निकालने की आवश्यतानुसार होना चाहिए। जिन सामग्रियों के लिए क्यूब को बनाने की आवश्यकता है, उन्हें कक्ष के अंदर रखा जाना चाहिए। क्यूब को तैयार करने वाले व्यक्तियों को ही कमरे के अंदर जाने की अनुमति दी जानी चाहिए।

## उठयमान कक्ष

उण्डजों के संचालन के लिए कमरा यह कमरा आरसीसी भवन अथवा आसाम विस्म (घर में कोई अलग कमरा) का कमरा होना चाहिए तथा खण्डों को रखने के लिए तीन स्तरों में साफ छेद वाले बांस की आलमारी लगाई जानी चाहिए। पहला स्तर जमीन से 100 सेमी ऊपर होना चाहिए तथा दूसरा स्तर कम से कम 60 सेमी ऊंचा होना चाहिए।

## फसल कक्ष

एक आदर्श गृह/कक्ष आर.सी.सी. भवन होगा जिसमें विधिवत उष्मारोधन एवं कक्ष को ठंडा एवं गरम करने का प्रावधान स्थापित किया गया होगा। तथापि बांस, थप्पर तथा मिट्टी प्लास्टर जैसे स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्रियों का इस्तेमाल करते हुए स्वदेशी अल्प लागत वाले घर की सिफारिश की गई है। मिट्टी एवं गोबर के समान मिश्रण वाले स्पिलिट बांस की दीवारें बनाई जा सकती है।

कच्ची ऊष्मारोधक प्रणाली का प्रावधान करने के लिए घर के चारों ओर एक दूसरी दीवार बनाई जाती है जिसमें प्रथम एवं दूसरी दीवार के मध्य 15 सेमी का अंत्तर रखा जाता है। बाहरी दीवार के बाहरी तरफ मिट्टी का पलास्टर किया जाना चाहिए। दो दीवारों के मध्य में वायु का स्थान ऊष्मा रोधक का कार्य करेगा क्योंकि वायु ऊष्मा का कुचालक होती है। यहां तक कि एक बेहतर ऊष्मारोधन का प्रावधान किया जा सकता है यदि दीवारों के बीच के स्थान को अच्छी तरह से सूखे 8 ए छ्प्पर से भर दिया जाए। घर का फर्श वरीयत− सीमेंट का होना चाहिए किन्तु जहां यह संभव नही है, अच्छी तरह से कूटा हुआ एवं प्लास्टरयुक्त मिट्टी का फर्श पर्याप्त होगा। तथापि, मिट्टी की फर्श के मामले में अधिक सावधानी बरतनी होगी।

## प्रणाली

छत मोटे छापर की तहो अथवा वरीयत− सीमेंट की शीटों की बनाई जानी चाहिए। छ्प्पर की छत से अनावश्यक सामग्रियों के संदूषण से बचने के लिए एक नकली छत आवश्यक है। प्रवेश द्वार के अलावा, कक्ष में वायु के आने एवं निकलने के लिए कमरे के आयु एंव पश्च भाग के ऊपर एवं नीचे दोनों तरफ से रोशनदानों का भी प्रावधान किया जाना चाहिए। घर तथा कक्षा ऊर्ध्वाधर एवं अनुप्रस्थ बांस के खम्भों के ढांचो का होना चाहिए जो ऊष्मायन अवधि के उपरान्त खंडों को टांगने के लिए अपेक्षित है।

अनुप्रस्थ खम्भों को ऊष्मायन आलमारी के रूप में 3 स्तरीय प्रणाली में व्यवस्थित किया जा सकता है। खम्भे वरीयत− दीवारों से 60 सेमी दूर तथा तीनों स्तरों की प्रत्येक पंक्ति के बीच में होने चाहिए, 1 सेमी की न्यूनतम जगह बनाई रखी जानी चाहिए। 3.0ङ्ग2.5ङ्ग2.0 मी. का फसल कक्ष 35 से 40 क्यूबों को समायोजित करेगा।

## विधि

भूसे को हाथ के यंत्र से 3-5 सेमी लम्बे टुकडों में काटिए तथा टाट की बोरी में भर दीजिए। एक ड्रम में पानी उबालिए। जब पानी उबलना शुरू हो जाए तो भूसे के साथ टाट की बोरी को उबलते पानी में रख दीजिए तथा 15-20 मिनट तक उबालिए। इसके पश्चात फेरी को ड्रम से हटा लीजिए तथा 8-10 घंटे तक पड़े रहने दीजिए ताकि अतिरिक्त पानी निकल जाए तथा चोकर को ठंडा होने दीजिए। इस बात का ध्यान रखा जाए कि ब्लॉक बनाने तक थैले को खुला न छोड़ा जाए क्योंकि ऐसा होने पर उबला हुआ चोकर संदूषित हो जाएगा। हथेलियों के बीच में चोकर को निचोड़कर चोकर की वांछित नमी तत्व का परीक्षण किया जा सकता है तथा सुनिश्चित कीजिए कि पानी की बूंदे चोकर से बाहर न निकलें।

चोकर के पाश्चुरीकृत का दूसरा तरीका भापन है। इस तरीके के लिए ड्रम में थोड़े परिवर्तन की आवश्यकता होती है (ड्रम के ढक्कन में एक छोटा छेद कीजिए तथा चोकर को उबालते समय रबर की ट्यूब से ढक्कन के चारों ओर सील लगा दीजिए) टुकड़े-डुकड़े किए गए चोकर को पहले भिगो दीजिए तथा अतिरिक्त पानी निकाल दिया जाए। ड्रम में कुछ पत्थर डाल दीजिए तथा पत्थर के स्तर तक पानी उड़ेलिए।

बांस की टोकरी में रखकर गीले चोकर को उबाल दें तथा ड्रम के अंदर पत्थर के ऊपर टोकरी को रख दें। ड्रम के ढक्कन को बंद कर दें तथा रबर की ट्यूब से ढक्कन की नेमि को सील कर दीजिए। उबले हुए पानी से उत्पन्न भाप चोकर से गुजरते हुए इसे पाश्चुरीकृत करेगी। उबालने के बाद चोकर को पहले से कीटाणुरहित किए गए बोरी में स्थानांतरित कर दिजिए तथा 8-10 घंटे तक इसे ठंडा होने के लिए छोड़ दीजिए।

## अब क्या करें

लकड़ी का एक सांचा लीजिए तथा चिकने फर्श पर रख दीजिए। पटसून की दो रस्सियों ऊर्ध्वाधर एवं अनुप्रस्थ रूप में रख दीजिए। प्लास्टिक की शीट से अस्तर लगाइए जिसे पहले उबलते पानी में डुबोकर कीटाणुरहित किया गया है।

5 सेमी. के उबले चोकर को भर दीजिए तथा लकड़ी के ढक्कन की मदद से इसे सम्पीडित कीजिए तथा पूरी सतह पर स्पान को छिड़किए।

स्पानिंग की प्रथम तह के उपरान्त 5 सेमी का अन्य चोकर रखिए तथा सतह पर पुन− स्थान का छिड़काव करें तथा प्रथम तह में किए गए की तरह इसे सम्पीडित कीजिए। इस प्रकार तह पर स्पान को 4 से 6 तह तक के लिए तब तक छिड़किए जब तक चोकर सांचे के शीर्ष के स्तर तक न आ जाए। एक (1) एक पैकेट स्पान का इस्तेमाल 1 क्यूब अथवा ब्लाक के लिए किया जाना चाहिए।

## आगे क्या करें

अब प्लास्टिक की शीट सांचे की शीर्ष पर मोडी जाए प्लास्टिक के नीचे पहले रखी गई पटसून की रस्सियों से उसे बांध दिया जाए।

बांधने के उपरांत सांचे को हटाया जा सकता है तथा चोकर का आयताकर खंड पीछे बच जाता है।

वायु के लिए खंड के सभी तरफ छेद (2 मिमी व्यास) बनायें।

ऊष्मायन कक्ष में ब्लॉक को रख दीजिए उन्हें सरल तह में एक दूसरे के बगल रखा जाए तथा इस बात का ध्यान रखा जाए कि उन्हें फर्श पर अथवा एक दूसरे के शीर्ष पर सीधे न रखा जाए क्योंकि इससे अतिरिक्त ऊष्मा उत्पन्न होगी।

ब्लॉक का तापमान 250 से. पर रखा जाए। ब्लॉक के छिद्रों में एक तापमापक डालकर इसे नोट किया जा सकता है। यदि तापमान 250 से. से ऊपर जाता है तो कमरे में गैस भरने की सलाह दी जाती है। तथा यदि तापमान में गिरवाट आती है, तो कमरे को धीरे-धीरे गर्म किया जाना चाहिए।

## यह भी करें

पूरे पयाल में फैलने के लिए स्पान को 12 से 15 दिन लगता है तथा जब पूरा ब्लॉक सफेद हो जाए तो यह निशान है कि स्पान संचालन पूरा हो गया है।

अण्डज परिपालन के उपरांत ब्लॉक से रस्सी तथा प्लास्टिक की शीट को हटा दीजिए। नारियल की रस्सी से ब्लॉक को अनुप्रस्थ रूप में बांध दीजिए तथा इसे फसल कक्ष में लटका दीजिए। इस अवस्था से आगे कमरे की सापेक्ष आर्द्रता 85 प्रतिशत से कम नहीं होनी चाहिए। ऐसे दीवारों तथा कमरे की फर्श पर जल छिड़क करके समय-समय पर किया जा सकता है। यदि फर्श सीमेंट का है, तो सलाह दी जाती है कि फर्श पर पानी डालिए ताकि फर्श पर हमेश पानी रहे। यदि खंड हल्का से सूखने का लक्षण जिससे लगे तो स्प्रेयर के माध्यम से स्प्रे किया जा सकता है।

एक सप्ताह से 10 दिन के भीतर ब्लॉक की सतह पर छोटे-छोटे पिन शीर्ष दिखाई पड़ेगे तथा ये एक या दो दिन के भीतर पूरे आकार के मशरूम हो जाएंगे।

## उपज

मशरूम प्रवाह में दिखाई पड़ते है। एक क्यूब से लगभग 2 से 3 प्रवाह काटे जा सकते है। प्रथम प्रवाह की उपज ज्यादा होती है तथा तत्पश्चात धीरे-धीरे कम होने लगती है तथा एक क्यूब से 1.5 किग्रा से 2 किग्रा तक के ताजे मशरूम की कुल उपज प्राप्त होती है। इसके बाद क्यूब को छोड़ दिया जाता है तथा फसल कक्ष से काफी दूर पर स्थित एक गड्ढे में पाट दिया जाता है अथवा बगीचे अथवा खेत में खाद के रूप में इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।

## परिरक्षण

मशरूम को ताजा खाया जा सकता है अथवा इसे सुखाया जा सकता है। चूंकि वे शीघ्र ही नष्ट हो जाने वाले प्रकृति के होते हैं तो आगे के इस्तेमाल अथवा दूरस्थ विपणन के लिए उनका परिरक्षण आवश्यक है। ओयेस्टर मशरूम को परिरक्षित करने का सबसे पुराना एवं सस्ता तरीका है धूप में सुखाना।

गर्म हवा में सुखाना कारगर उपयोग है जिसके द्वारा मशरूम को डिहाइड्रेटर (स्थानीय रूप से तैयार उपस्कर) नामक उपस्कर में सुखाया जाता है मशरूम को एक बंद कमरे में लगे हुए तार के जाल से युक्त रैक में रखा जाता है तथा गर्म हवा (500 से 550 से) 7-8 घंटे तक रैक के माध्यम से गुजरती है।

मशरूम को सुखाने के बाद इसे वायुसह डिब्बे में स्टोर किया जाता है अथवा 6-8 माह के लिए पोलीबैग में सील कर दिया जाता है। पूरी तरह से सोखने के उपरांत मशरूम अपने ताजे वजन से कम होकर एक से घट कर तैरहवां भाग रह जाता है जो सुरक्षा के आधार पर अलग-अलग होता है। मशरूम को ऊष्ण जल में भिगोकर आसानी से पुन− जलित किया जा सकता है।

## रोग एवं कीट

यदि मशरूम की देखभाल न की जाए तो अनेक रोग एवं पीट इस पर हमला कर देते हैं।

### रोग

हरी फफूंद (ट्राइकोडर्मा विरिडे) − यह कस्तूरा कुकुरमुत्ते में सबसे अधिक सामान्य रोग है जहां क्यूबों पर हरे रंग के धब्बे दिखाई पड़ते है।

नियंत्रण −फॉर्मालिन घोल में कपड़े को डुबोइए (40 प्रतिशत) तथा प्रभावित क्षेत्र को पोंछ दीजिए। यदि फफूंदी आधे से अधिक क्यूब पर आक्रमण करती है तो सम्पूर्ण क्यूब को हटा दिया जाना चाहिए। इस बात की सावधानी रखी जानी चाहिए कि दूषित क्यूब को पुनर्संक्रमण से बचाने के लिए फसल कक्ष से काफी दूर स्थान पर जला दिया जाए अथवा दफना दिया जाए।

### कीट

मक्खियां −देखा गया है कि स्कैरिड मक्खियां, फोरिड मक्खियां, सेसिड मक्खियां कुकुरमुत्ते तथा स्पॉन की गंध पर हमला करती हैं। वे भूसी अथवा कुकुरमुत्ते अथवा उनसे पैदा होने वाले अण्डों पर अण्डे देती हैं तथा फसल को नष्ट कर देती हैं। अण्डे माइसीलियम, मशरूम पर निर्वाह करते हैं एवं फल पैदा करने वाले शरीर के अंदर प्रवेश कर जाते हैं तथा यह उपभोग के लिए अनुपयुक्त हो जाता है।

नियंत्रण − फसल की अवधि में बड़ी मक्खियों के प्रवेश को रोकने के लिए दरवाजों, खिडकियों अथवा रोशनदानों पर पर्दा लगा दीजिए यदि कोई, 30 मेश नाइलोन अथवा वायर नेट का पर्दा। मशरूम गृहों में मक्खीदान अथवा मक्खियों को भगाने की दवा का इस्तेमाल करें।

कुटकी − ये बहुत पतले एवं रेंगने वाले छोटे-छोटे कीड़े होते हैं जो कुकुरमुत्ते के शरीर पर दिखाई देते हैं। वे हानिकारक नहीं होते है, किन्तु जब वे बड़ी संख्या में मौजूद होते है तो उत्पादक उनसे चिंतित रहता है।

नियंत्रण −घर तथा पर्यावरण को साफ सुथरा रखें।

शम्बूक, घोंघा − ये पीट मशरूम के पूरे भाग को खा जाते हैं जो बाद में संक्रमित हो जाते हैं तथा वैक्टीरिया फसल के गुणवत्ता पर बुरा प्रभाव डालते हैं।

नियंत्रण − क्यूब से पीटों को हटाइए तथा उन्हें मार डालिए। साफ सुथरी स्थिति को बनाये रखें।

### अन्य कीटाणु

5.कृन्तक − कृन्तकों का हमला ज्यादातर अल्प कीमत वाले मशरूम हाउसों पर पाया जाता है। वे अनाज की स्पॉन को खाते हैं तथा क्यूबों के अंदर छेद कर देते हैं।

नियंत्रण −मशरूम गृहों में चूहा विष चारे का इस्तेमाल करें। चूहों की बिलों को कांच के टुकडों एवं पलास्टर से बंद कर दें।

## इन बातों का भी रखें ध्यान

जब फल बनना शुरू होता है तो हवा की जरूरत बढ़ जाती है। अत−जब एक बार फल बनना शुरू हो जाता है तो आवश्यक है कि हर 6 से 12 घण्टो बाद कमरे के सामने और पीछे दिए गए वेंटीलेटर खोलकर ताजी हवा अंदर ली जाए।

जब आवरणों की परिधि ऊपर की ओर मुड़ना शुरू हो जाती है तो फल काया (मशरूम) तोड़ने के लिए तैयार हो जाते है। ऐसा जाहिर होगा क्योंकि छोटी-छोटी सिलवटें आवरण पर दिखाई पड़ने लगती है। मशरूम को काटने के लिए अंगूठे एवं तर्जनी से आधार पर डाल को पकड़ लीजिए तथा हल्के क्लाकवाइज मोड़ से पुआल अथवा किसी छोटे मशरूम उत्पादन को विक्षोभित किए बिना मशरूम को डाल से अलग कर लीजिए। काटने के लिए चाकू अथवा कैंची का इस्तेमाल मत करें। एक सप्ताह के बाद ब्लॉक में फिर से फल आने शुरू हो जाएंगे।

**अगर हम यह कहें कि बनारस इतिहास, सभ्यता, मिथक और दंतकथाओं से भी पुराना है, तो यह गलत न होगा। वाराणसी को यह नाम यहां पर स्थित दो नदियों के कारण दिया गया, वरुण और असि।**

## इतिहास से भी पुराना

# बनारस

*यह कहना शायद मिथ्या होगी कि विश्व में ऐसा कोई हिन्दू है, जो कि उत्तरप्रदेश में गंगा नदी के पावन तट पर बसे काशी विश्वनाथ की नगरी वाराणसी के बारे में नहीं जानता। वाराणसी के साथ ही साथ इसे बनारस और काशी के नाम से भी जाना जाता है, जो कि विश्व के प्राचीनतम नगरों में से एक है। अगर हम यह कहें कि बनारस इतिहास, सभ्यता, मिथक और दंतकथाओं से भी पुराना है, तो यह गलत न होगा। वाराणसी को यह नाम यहां पर स्थित दो नदियों के कारण दिया गया, वरुण और असि। यह दोनों नदियां काशी में गंगा में समाहित हो जाती है, जिस कारण से इसका नाम वाराणसी पड़ा। पुराणों के अनुसार काशी का निर्माण स्वयं भगवान शिव और देवी पार्वती के द्वारा किया गया था और इसीलिये इसे तीर्थों का तीर्थ समझा जाता है।*

### कहां ठहरें

होटल ताज गंगेज़, होटल सिद्धार्थ, होटल गौतम ग्रैंड, होटल इंडिया, प्रीति गेस्ट हाउस, अम्बिका लॉज, होटल मोती महल

### कब जाएं

वैसे तो वाराणसी का मौसम हर समय सुहाना रहता है, लेकिन अगर आप वाराणसी जाना चाहते हैं, तो सबसे अच्छा समय सितंबर से मार्च को होगा, जब आप बारिश या गर्मी की समस्या के बिना आराम से पूरा नगर घूम सकते हैं।

### कैसे पहुंचें

*रेल द्वारा:* वाराणसी भारतीय रेलवे का एक मुख्य स्टेशन है। भारत के कई प्रमुख नगरों से वाराणसी के लिये सीधी ट्रेनें उपलब्ध रहती है। इसके अतिरिक्त वाराणसी से मात्र 16 किमी की दूरी पर स्थित मुगलसराय एक अन्य निकटतम प्रमुख स्टेशन है, जो कि भारत का सबसे बड़ा रेलवे यार्ड है।

*सड़क द्वारा:* वाराणसी एनएच 2, एनएच 7 और एनएच 29 के द्वारा भारत के सभी प्रमुख नगरों से जुड़ा हुआ है। उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्यप्रदेष के सभी निकटतम प्रमुख नगरों से बस सेवा भी उपलब्ध रहती है। इसके अतिरिक्त आप निजी वाहन का प्रयोग भी कर सकते हैं।

*वायुयान द्वारा:* बाबतपुर एयरपोर्ट वाराणसी का प्रमुख एयरपोर्ट है, जो कि वाराणसी से 18 किमी की दूरी पर स्थित है।

*बिड़ला मंदिर:* बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के एक भाग के रूप में स्थित नए विश्वनाथ मंदिर को ही बिड़ला मंदिर कहते हैं। पंडित मदन मोहन मालवीय द्वारा योजनाबद्ध किये गये इस मंदिर का निर्माण भारत के अत्यंत प्रतिष्ठित औद्योगिक घराने बिड़ला परिवार द्वारा करवाया गया था। इस मंदिर के द्वार हर धर्म के लोगों के लिये खुले हैं।

*कालभैरव मंदिर:* कालभैरव मंदिर मुख्य पोस्ट ऑफिस विश्वेश्वरगंज के पास स्थित एक प्राचीन मंदिर है। ऐसा कहा जाता है कि कालभैरव काशी के रखवाले हैं और उनकी आज्ञा के बिना कोई भी बनारस में ठहर नहीं सकता है। इसीलिये उन्हें वाराणसी का कोतवाल भी कहते हैं।

*सारनाथ:* वाराणसी से करीब 15 कि.मी. की दूरी पर स्थित सारनाथ भगवान बुद्ध को समर्पित है। सारनाथ बौद्ध धर्म का धार्मिक केन्द्र और चार तीर्थों में से एक है। बोधगया में ज्ञान की प्राप्ति के बाद भगवान बुद्ध ने सारनाथ में ही अपने पांच शिष्यों को अपने पहले उपदेश दिये थे। सारनाथ में प्रवेश करते ही सबसे पहला महत्वपूर्ण स्थान चौखंडी स्तूप स्थित है, जिसका निर्माण सम्राट अशोक द्वारा करवाया गया था। धमेक स्तूप भी अत्यंत महत्वपूर्ण स्तूप है और इसी के पास स्थित मूलगंध कुटि विहार भी स्थित है, जो कि एक बौद्ध मंदिर है। इसके अतिरिक्त सारनाथ में अन्य कई बौद्ध मंदिर भी है, जैसे कि चीनी मंदिर, तिब्बती मंदिर, जापानी मंदिर आदि। सारनाथ संग्रहालय भी सारनाथ के प्राचीन इतिहास का एक झरोखा देखने के लिये एक अच्छा स्थान है।

*रामनगर:* वाराणसी से मात्र 14 किमी की दूरी पर रामनगर स्थित है, जो कि रामनगर किले के लिये प्रसिद्ध है। गंगा नदी के किनारे इस किले का निर्माण सन् 1750 में वाराणसी के राजा के द्वारा करवाया गया था, लेकिन यह आज अपने संग्रहालय के लिये प्रसिद्ध है, जिसमें विंटेज कार, शाही पालकी, तलवारें, बंदूकें आदि सम्मिलित हैं। इसके अतिरिक्त भी वाराणसी में कई अन्य महत्वपूर्ण स्थान है, जैसे कि अन्नपूर्णा मंदिर, भारत कला भवन, काशी विद्यापीठ, दुर्गा मंदिर, जैन मंदिर आदि।

### क्यों देखें

*चौरासी घाट:* पवित्र गंगा नदी के तट को कुल चौरासी घाटों में विभाजित किया गया है, जिनमें स्नान करके शुद्ध होने के बाद ही श्रद्धालु काशी विश्वनाथ के दर्शन को जाते हैं। वैसे तो लगभग सभी घाटों का कोई न कोई ऐतिहासिक महत्व है, लेकिन कुछ घाट ऐसे भी है, जो कि धार्मिक रूप से भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। जैसे, काशी विश्वनाथ मंदिर के सबसे निकट स्थित दशाश्वमेध घाट के लिये माना जाता है कि यहां पर भगवान ब्रह्मा ने दस अश्वों की बलि दी थी। मणिकर्णिका घाट के लिये यह माना जाता है कि शिव के नृत्य करते समय यहीं पर उनके कान की मणि गिरी थी। हरिश्चन्द्र घाट के लिये यह किवदंती है कि इस घाट पर स्थित श्मशान पर ही राजा हरिश्चन्द्र काम किया करते थे। काशी का सबसे पहला घाट अस्सि घाट है और सबसे आखिरी आदि केशव घाट जिसे वेदेश्वर घाट भी कहते हैं। गंगा दशहरा के दिन यहां एक शोभायात्रा का आयोजन किया जाता है, जो कि अस्सि घाट से वेदेश्वर घाट तक जाती है।

*काशी विश्वनाथ:* बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक काशी विश्वनाथ का मंदिर भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में स्थित भगवान शिव के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। इस मंदिर की प्राचीनता का अंदाजा लगाना तो आज भी संभव नहीं है क्योंकि इस मंदिर का वर्णन पुराणों में भी किया गया है। वैसे तो इस मंदिर को कई बार क्षतिग्रस्त किया गया और कई बार इसका पुनर्निर्माण भी करवाया गया, लेकिन वर्तमान मंदिर का निर्माण इंदौर की महारानी अहिल्याबाई होल्कर द्वारा सन् 1780 में करवाया गया था, जिसके बाद सन् 1835 में पंजाब के राजा महाराज रणजीत सिंह जी द्वारा इस मंदिर के गुंबदों पर करीब एक हजार किलोग्राम सोना लगवाया गया।

*संकटमोचन मंदिर:* काशी में असि नदी के किनारे रामभक्त हनुमान के सबसे पवित्र मंदिरों में से एक संकटमोचन मंदिर है। इस मंदिर का निर्माण गोस्वामी तुलसीदास के द्वारा करवाया गया था। हनुमान जी को संकटमोचन के नाम से भी जाना जाता है, जिसका अर्थ है सभी संकटों को हरने वाला। इस मंदिर को वानर मंदिर के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि यहां पर कई मंदिर है, जिन्हें प्रसाद दिए बिना आपका मंदिर से बाहर जा पाना मुश्किल है।

*भारत माता मंदिर:* वाराणसी का भारत मंदिर भारत माता को समर्पित किया गया एक मंदिर है। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के कैंपस में स्थित इस मंदिर का निर्माण बाबू शिव प्रसाद गुप्ता जी के द्वारा करवाया गया था, जिसका उद्घाटन सन् 1936 में महात्मा गांधी के हाथों से हुआ था। इस मंदिर में संगमरमर का बना भारत का एक नक्काशीदार मानचित्र है।

*तुलसी मानस मंदिर:* तुलसी मानस मंदिर का निर्माण वाराणसी के नागरिकों द्वारा किया गया था। यह मंदिर मूलरूप से भगवान राम और उनके जीवनचरित्र को समर्पित है। ऐसा कहा जाता है कि इस मंदिर का निर्माण उसी स्थान पर करवाया गया है, जहां पर गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस की रचना की थी। इस मंदिर में एक रामचरितमानस का वर्णन करती हुई एक विद्युत प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जाता है।